Fortis Hospitals, Kalyan West, Mumbai :

Navbharat, April 28, 2014, Edition : Mumbai; Size : 60 sq.cm.; Page : 13

इंडोवैस्क्यूलर क्वॉयलिंग तकनीक

एन्यूरिज्म पीड़ितों के लिए वरदान

मस्तिष्क खोले बिना ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. कल्याण के फोर्टिस अस्पताल में एन्यूरिज्म नामक बीमारी से पीड़ित शख्स के मस्तिष्क में गुब्बारे के आकार के सूजन को बिना मस्तिष्क खोले ऑपरेशन किया.

न्यूरोसर्जन डॉ. विश्वनाथ अय्यर ने बताया कि पीड़ित के मस्तिष्क में असामान्य सूजन थी, जो कि ब्रेन हैमरेज का कारण बन सकती थी. इंडो वैस्क्यूलर क्वॉयलिंग तकनीक के जरिए इसका इलाज सफल हो सका.

डॉ. विश्वनाथ अय्यर ने बताया कि जब पीड़ित का हमने एमआरआई करवाया तब हमें पता चला कि मस्तिष्क में हल्का रक्तस्राव हो रहा है, जो ब्रेन हैमरेज का कारण बन सकता है. यह पहली बार है जब मिनिमल इन्वेन्सिव न्यूरोसर्जरी से यह संभव हो पाया है.

डॉ. अय्यर ने बताया कि सर्जरी के अलावा इंडोवैस्क्यूलर पद्धति भी एक बेहतर विकल्प है, जो पूरी तरह सुरक्षित भी है. यही नहीं एन्यूरिज्म से दोबारा रक्तस्राव को रोकने के लिए हैमरेज के बाद सर्जरी आसानी से की जा सकती है. इस उपचार का मुख्य उद्देश्य एन्यूरिज्म की स्केलिंग कर दोबारा रक्तस्राव रोकना है, ताकि एन्यूरिज्म को पूरी तरह से क्लिप या तार से निकाला जा सके.

अध्ययन भी बताते हैं कि सर्जिकल क्लिप से बेहतर परिणाम इंडोवैस्क्यूलर क्वॉयलिंग से प्राप्त होते हैं. इस नए तरीके में खोपड़ी की सर्जरी करने की जरुरत नहीं पड़ती है. डॉ. अय्यर ने बताया कि यह एक बेहतर विकल्प जरूर है, लेकिन इसके लिए उन्नत लैब का भी होना आवश्यक है.